भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
द्वारा अनुमोदित

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यानमाला

(दिनांक : 18.03.2024)

अध्यक्ष : **डॉ० प्रेम चन्द्र सिंह**
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, यू.एन.पी.जी. कॉलेज, पडरौना

मुख्य अतिथि : **प्रो० जय शंकर पाण्डेय**
क्षेत्रीय संयोजक, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं प्रोफेसर, बी.एस.एन.वी. पी.जी. कालेज, लखनऊ

विशिष्ट अतिथि : **डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी**
सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, बी.बी.ए.यू., लखनऊ

आयोजक

उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पडरौना, कुशीनगर

प्रो0 ममता मणि त्रिपाठी
प्राचार्य

श्री सुधाकर उपाध्याय
राष्ट्रीय कार्यक्रम संयोजक एवं सलाहकार (शैक्षणिक)
भारतीय भाषा समिति

डॉ विजेन्द्र सिंह
कार्यक्रम संयोजक

भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
द्वारा
अनुमोदित

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यानमाला

(दिनांक : 18 मार्च, 2024)

आयोजन स्थल : कुँवर सी0पी0एन0 सिंह केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार, उदित नारायण पी0जी0 कॉलेज, पडरौना, कुशीनगर

अतिथि / वक्ता

अध्यक्ष : डॉ0 प्रेम चन्द्र सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, यू0एन0पी0जी0 कॉलेज, पडरौना।

मुख्य अतिथि : प्रो0 जय शंकर पाण्डेय, क्षेत्रीय संयोजक, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं प्रोफसर, बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ।

विशिष्ट अतिथि : डॉ विवेक नाथ त्रिपाठी, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, बी0बी0ए0यू0, लखनऊ।

कार्यक्रम

पूर्वाह्न 09.00 बजे : पंजीकरण
पूर्वाह्न 10.00 बजे : अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन
पूर्वाह्न 10.05 बजे : सरस्वती वंदना
पूर्वाह्न 10.10 बजे : अतिथियों का परिचय
पूर्वाह्न 10.15 बजे : मंचस्थ अतिथियों का सम्मान एवं माल्यार्पण
पूर्वाह्न 10.20 बजे : विषय परिचय वक्तव्य
पूर्वाह्न 10.30 बजे : विशिष्ट अतिथि का उद्बोधन
पूर्वाह्न 11.00 बजे : मुख्य अतिथि का उद्बोधन
पूर्वाह्न 11.30 बजे : प्राचार्य का उद्बोधन
अपराह्न 12.00 बजे : अध्यक्षीय उद्बोधन
अपराह्न 12.30 बजे : चर्चा एवं विमर्श
अपराह्न 01.00 बजे : धन्यवाद ज्ञापन

प्रो0 ममता मणि त्रिपाठी
प्राचार्य

श्री सुधाकर उपाध्याय
राष्ट्रीय कार्यक्रम संयोजक एवं सलाहकार (शैक्षणिक)
भारतीय भाषा समिति

डॉ विजेन्द्र सिंह
कार्यक्रम संयोजक

व्याख्यान विवरण

शीर्षक	जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यानमाला
अवधारणा	जगद्गुरु श्री शंकराचार्य सनातन संस्कृति एवं भारतवर्ष के पूज्य हैं और हम सबके साझे धरोहर हैं। भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता एवं अखण्डता पुष्ट करने हेतु उन्होंने अपना जीवन सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने इस पुण्यभूमि के सभी दिशाओं में यात्रा कर अपने संवाद कौशल से धर्म पताका का ध्वज लहराया। भाषा सांस्कृतिक विरासत का द्वार है। संस्कृति और सभ्यताओं की सबसे गूढ़ एवं मूलभूत बातों तक पहुँचना है तो उसके साहित्य को खंगालना होगा एवं साहित्य रुपी समुद्र में डुबकी लगाने हेतु भाषा पर पकड़ निरंतर बना कर रखनी होगी। इसी कारण से भाषाएँ देश की एकता एवं अखण्डता को भी पुष्ट करती है। भाषा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता यह तीनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जी के दर्शन पर एक देशव्यापी चर्चा खड़ा करने तथा भारत की एकात्मता में जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जी के योगदान को युवाओं के मध्य ले जाने हेतु इस व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में भारतीय भाषाएँ किस प्रकार से सहायक सिद्ध हुई यह भी शोध जगत में केंद्र का विषय होना चाहिए।
विषयवस्तु	(1) जगद्गुरु श्री शंकराचार्य आध्यात्मिक एवं भाषाई एकता के वाहक (2) भारत की एकता और एकात्मता में जगद्गुरु श्री शंकराचार्य का योगदान (3) जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन में भारतीय एकात्मता और भाषाएँ (4) जगद्गुरु श्री शंकराचार्य एवं भारत की एकात्मता
उद्देश्य	इस एक व्याख्यानमाला कार्यक्रम के तीन प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं– (1) जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं कार्यों को व्यापक विमर्श में लाना एवं युवाओं के मध्य लेकर जाना। (2) जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं जीवन कार्य में संस्कृत एवं भारतीय भाषाओं की भूमिका को समझाना। (3) देश की एकात्मता में संस्कृत भाषा के महत्त्व पर परिचर्चा करवाना।
सम्भावित प्रतिभागी	प्रतिभागियों की अनुमानित संख्या लगभग 200–300 होगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आयोजक संस्थान से जुड़े शिक्षक, शिक्षार्थी, अभिभावक आदि लाभान्वित होगें। आयोजक संस्थान जिस शहर में है, वहाँ के अन्य गणमान्य जन उपस्थित हो सकते हैं।